

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

35]

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 12, 1981/मात्र 21, 1903

No. 351

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 12, 1981/BHADRA 21, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में पत्ना जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II---क्राण्ड 3---उप-क्षण्ड (iii)

PART II—Section 3-Sub-section (iii)

(संव राज्यक्षेत्र प्रशासनों की छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए एए प्रावेश चीर प्रधिस्थनाएं

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग ग्रावेश

नई दिल्ली, 26 मई, 1981

आ अ अ 1075 - यतः निविधिन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 245-जहानावाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लडने वाले उपमीदवार श्री मोहन सिट ग्राम दादपुर, पी० भीमदास पुर, बेला गज (गया) स्रोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा त्रद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रपेक्षित भपने निर्वाचन व्ययो का काई भी लेखा दाखिल करने में भसफल रहे है ,

भीर यस उक्त उम्मीवबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भीर, प्रसफ्तनता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भी निर्वाचन अधीम का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यायौचित नहीं है.

भूत प्रव. उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनगरण म नियाचन श्रायांग एतद्वारा उक्त श्री मोहन सिंह को ससद के किसी भी सबन क या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य जने जान और होने के लिए इस श्रादश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्शित घोषित करता है।

[स॰ बिहार-बि॰म॰/245/80/(56)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, he 26th May, 1981

O.N. 1075.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohaa Singh V. Dadpur, P.O. Bhimdaspur, Belaganj (Gaya) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 245-Jahanabad Assembly 644 GI/81-1

constituency held in May, 1980, has failed to lodge as account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Mohan Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/245/80(66)]

आ o so 1076 - यत , निर्वाचन धामीग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधानों सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 255-फनेहपुर (प्र०जा०) निर्वाचन-ओल से चुनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री रामदेव रजक, ग्राम सियाडीह मंडिया, पो० सियाडीह शाना कोंच. जिला गया, बिहार लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेशित श्रपने निर्वाचन व्यथों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अभफाप रहे हैं;

ग्रीर यत , उक्त उम्मीदथार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रयवा स्पब्टीकरण नही विया है और निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोंचित नही है;

धन ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रन्सरण में निवचिन ब्रायोग एतद्वारा उक्त श्री रामदेव रजक को संगव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथमा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आवेश की नारीख मे नीन वर्ष की वालावधि के लिए निरहित श्रोधित करता है।

सिं० विहार-वि०म०/255/80(67)]

O.N. 1076.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramdeo Rajak, Vill, Siyadih, Mathiya, P.O. Siyadih, P.S. Konch, District Gaya, Bihar, a comesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 255-Fatehpur (SC) assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

And wheeras the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramdeo Rajak, to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No BR-LA/255/80(67)]

नई दिल्ली 1 जुन, 1981

आठअठ 1077.—यत, निर्वावत ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वावत के लिए २३३-चेनारी (ग्र०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लंडने वाले उम्मीयवार श्री मुकुल राम, ग्राम पहाड्रपुर, पां० वरैला, जिला रोहताम, बिहार लोक प्रतिनिधित्य ग्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेक्षित अपने निर्वाचन अपों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उकत उम्मीदवार ते. सम्मक सूचना वंग जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर तिर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यासीवित्य नहीं है:

श्रम श्रम, उनत प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रन्मरण में निर्वाधन श्रायोग एतह्वारा उन्न श्री भुकुल राम को संमद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से नीन वर्ष की कानावधि के लिए निर्राहन घोषित करना है।

[स० बिहार-वि०स०/233/80(72)]

New Delhi, the 4th June, 1981

O.N. 1677. -Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukul Ram, Vill. Paharpur, P.O. Baraila, District Robias, a contesting candidate for general election to the Binar Legislative Assembly from 233-Chemai (SC) assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thercunder,

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukul Ram to be disqualified for being chosen as, and for beltia, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of the order.

[No. BR-LA/233/80(72)]

आरं अर 1078 — यम: निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई. 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 233-वेनाड़ी (ग्र॰ जा॰) निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मी-दबार श्री लाल मुरी राम, ग्राम य पो॰ लड़ाड़ी, जिला रोहताम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकिन श्रपने निर्वाचन रुपयों का कोई भी लेखा टाखिल करने में श्रमकल एड़े हैं:

प्रीर यतः, उत्तर उम्मीदवार न, सम्यक सूचना हिए जाने पर भी, इस प्रमफलता के लिए काई कारण ग्रथक स्मार्टाकरण नहीं दिया है और निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हा गया है कि उसके पास इस प्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित नहीं है ,

भनः ग्रम, उक्त श्रीधनियम को श्राम 10-क के प्रानुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लाल मुनी राम की मंसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस ग्रादेश के तारीख में नीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्हात घोषन करता है।

[स० बिहार-वि०स०/233/80(73)]

O.N. 1078.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lal Muni Ram, Vill/P.O. Kharari, District Rohtas, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 233-Chenari (SC) assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Eleition Commission is further satisfied that he has no good reason of justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lal Muni Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/233/80(73)]

नर्ड दिल्ली, १ जुन, १५८१

आं अं 1079.—-पतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्ड, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 227-विनारा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदनार श्री यमुना सिंह, ग्राम गोपालपुर, पास्ट कुड, जिला रोहताम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा धंपेकिन श्रपने निर्वाचन क्यायों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रामफल रहे हैं;

श्रीर यत उक्त उम्मीवकार ते. सम्यक सूचमा दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण यथवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रीयांग का समाधान ही गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

श्रतः श्रवः अक्त अपिनियम की बारा 10-क के अनुसरण में तिर्वाचन आयोग एतह्वारा उक्त श्री युमना सिंह को समद के किसी भी सबस के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिवद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेण की नारीख़ से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन धोषित करना है।

[स॰ बिहार-वि०स०/227/80(78)]

New Delhi, the 9th June, 1981

O.N. 1079.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Yamuna Singh, Vill. Gepalpur, P.O. Kud, Distt. Rohtas (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 227-Dinara Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yamuna Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/227/80(78)]

नई दिल्ली 29 जुन, 1981

आत्अव 1080.— यत, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए बिहार विधान गया के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 164-महागामा निर्वाचन केल में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदियार श्री पक्षण कुनार सिर, ग्राम व गाँ० महुरा जिला सवान परगना, बिहार लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1931 तथा तद्भीत बनाए गए नियमो हारों अपेक्षित रीति में अपने नियाचन व्ययों का लेखा दाखिश करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यत.. उक्त उम्मीदक्षार ने उमें सम्यक सूचना विए जान पर भी अपनी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रामींग का यह भी समक्षित हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्शयन कारण या त्यायीचित नहीं है;

श्रन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क श्रनुगरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उस्त श्री पड़क कुमार मिह को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथका विधान परिषद् के गक्ष्स्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से सीन वर्ष की नालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[स॰ [बहार-वि॰स॰/164/80(95)]

New Delbi, the 29th June, 1981

O.N. 1080.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Pankaj Kumar Singh, Vill, and P.O. Madhura, Dist. Santhal Parganas, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 164-Mahagama Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Llection Commission hereby declares the shaid Shii Pankaj kumai Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA[164]80(95)]

आक्कार 1081—पन, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 168-महागामा निर्वाचन-केन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बृधि नाथ राम, महल्ला कालिकागुर, पोर पाकुइ, जिल सथान परगना, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तथीन बनाए गए, नियमो हारा अधिक्षित अपने निर्वाचन क्यां का कोई भी लेखा दाखिल करने में अमफल रहे है;

श्रीर यत, उक्त उम्मीदबार ने, उसे सम्मक मूचना दिए जाने पर भी अपनी इस श्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पाटीकरण मही दिया है, श्रीर निर्वाचन आयोग का गह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित नहीं है

अन अन, उन्न प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एनक्ष्मारा उन्न श्री मुश्रिनाथ राम की समद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथथा विधान परिषद् के सदस्य चुने आने श्रीर होने के लिए इस भादेश की नारीख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन धापित करणा है।

[स॰ बिहार-वि॰म०/164/80(96)]

O.N. 1081.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Budhinath Ram, Mohulla Kalikapur, P.O. Pakur, Distt. Santhal Purganas, Bihar i contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 164-Mahagama constituency, has failed to ledge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Budhinath Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-I A/164/80(96)]

. आ०अ० 1082 — यत. निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 164-महागामा निर्वाचन-अंक्ष से जुनाब लड़ने बाले उम्मीदवार श्री पूरन मण्डल, ग्राम खिरीधा, पाँ० ग्रामीर, वाया ईगीपुर, जिल्ल संमाल परगना, विहार लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम 1951 सथा नदीन बनाए गए नियमों हारा ग्रापेक्षित ग्रपने निर्वाचन अयो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है,

श्रीर यतः, उक्न उम्मीदवार ते, उसे सम्प्रक सूचना दिए आने पर भी प्रथमी इस ध्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पर्धीकरण नही दिया है भीर सिर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास भ्रमसफता के लिए कोई पर्योग्न कारण या न्यायोश्वित नहीं है:

भतः ग्रब, उक्त श्रिक्षित्यमं की धारा 10-क कं ध्रनुसरण में निर्वाचन भाषीन एलहबार। उक्त श्री पूरन भक्ष्म, को समय के किसी भी सदस के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा निधान परिषद् के सवस्य चुने आने श्रीर होने के लिए इस श्रादण की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लए निर्दाहन धोषित करना है

[भ० बिहार-विश्मः । 164/80(97)]

O.N. 1082.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Puran Mandal, Vill. Khiraundha, P.O. Amsur via Ishipur, Disti Santhal Parganas, Binar, a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 164-Mah igama constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said act the Election Commission hereby declares the said Shri Puran Mandal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/164/80(97)]

नर्भ विस्ली, 30 जून, 1981

आ० अ० 1083 — यतः निर्वाचन आयोग का समाक्षान हा गमा है कि मई, 1980 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 162-पोडेयाहाट निर्वाचन के लेए 162-पोडेयाहाट निर्वाचन के ले जुनाव लड़ने वाल उम्मीदवार श्री घनश्याम प्रसाद, ग्राम व पा० केन्द्रुमा, जिला सथाल परगना, विहार लाक प्रतिनिधित्व प्रविनियम, 1951 तथा तद्धीन वनाए गए नियमा द्वारा प्रविक्षित प्रवर्ग निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं,

श्रीर यत, उनत उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पर्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निवाचन श्रामाग का यह समाधान हा गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यायाचित्य नहीं है;

मतः प्रव, उन्त अधिनिधम की धारा 10-क के मनुमरण में निधा-भन प्रायोग एतब्द्वारा उन्त श्री घनस्थाम प्रसाद की ससद के किसा भी सदम के या किसी राज्य का विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य कुन जान श्रीर होन के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावीध थे लिए निह्ति घोषित करता है।

[स० बिहार वि० स० /162/80(103)]

New Delhi, the 30th June, 1981

O.N. 1083.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Ghanshyam Piasad, Vill, and P.O. Kendua, District Santhal Paiganas, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Poroyahat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Ghanshyam Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parlament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/162/80(103)]

अ() अं० 1084.—-यत:, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई. 1980 में हुए बिहार बिद्यान सभा के लिए माधारण निर्वाच्यन के लिए 162-पोड़ियाहाट निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने बाले उम्मी-दवार श्री चुनका हैसरम प्राम सरफंडा, पो० गोड्डा, जिला संधाल-परगना, बिहार लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनिगम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए निपमो द्वारा प्रमेकित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ध्रमफल रहे हैं।

ग्रोर अन, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमकचना के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नही है;

ग्रतः भ्रव, उक्त श्रधितियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्धा-चन श्रायोग एतव्दारा उक्स श्री चुनका हेमरम की मसद के किसी भी सक्षम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जान और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के निष्णु निर्माहत शोषित करना है।

[स॰ बिहार -वि॰ स॰/162/80 (104)]

O.N. 1084.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chunka Hemram, Vill. Sarkanda P.O. Godda, District Santhal Parganas a contesting candidate for general election to the Assembly held in May, 1980 from 162-Poroyahat

Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chunka Hemram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Patliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this Order.

[No. BR-LA/162/80(104)]

आ॰ अ॰ 1085.—यन, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 162-पोईयाहाट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव सकृते वाले उम्मी-ववार श्री नीलकच्ट हजारी, ग्राम पांड बधान, पो॰ गोड्णा कालेज, जिला संपान परगना, बिहार लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोधेक्षत श्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाविल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, जक्त उम्मीदवार ने, सम्यक-सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन भाषीग का मह समाधान ही गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

प्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्द्वारा उक्त श्री नीलकच्छ हजारी को संसद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/162/80(105)]

O.N. 1085.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nil Kanth Hazari, Vill. Pandubathan, P. O. Godda Collage, District Santhal Parganas a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Poroyahat Constituency, has failed to lodge an acount of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after consideraing the representation made by the said candidate the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the tailure;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nil Kanth Hazari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/162/80(105]

आ० अ० 1086.—यत'. निर्वाचन प्रायोग का निमाश्राम हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 162-पोडायाहट निर्वाचन-केल में चुनाव लड़में बाचे उम्मीतवार श्री सियलाल मोरेन, प्राम धेन्कट्टा (संशाघाट) पी० रचुनाथपुर, जिला संयान परगमा बिहार लोग प्रतिविधित्य प्रश्चित्यम

1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमी द्वारा अपेक्षित आने निर्वाचन स्यथा का कोई भी लेखा बाखिल करने में असफल रहे हैं,

श्रीर यतः, जक्त उम्मीववार नं, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथका स्पष्टीकरण नहीं दिया है ब्रोर निर्वाचन धायान का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता क लिए काद प्रयोग्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

ग्रनः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 10-क क अनुसरण में निर्वाचन भागोग एतद्बारा उक्त था सिबलाल सीरेन का ससद के किसा भा मवन के या किसी राज्य की विभान सभा अथवा विभान पौरपद् के सदस्य भुन जान श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की सारीख से सीन वर्ष का कामार्थाध के लिए निर्राहत घाषित करसा है।

[म० बिहार- वि० स०/ 162/80 (106)]

O.N. 1086.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Siblal Soien, Vill. Dhenukatia, P. O. Raghenattipur, District Santha, Parganas a concesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Poroyahat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made their under;

And whereas, after considering the representation mode by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Siblal Soren to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/162/80(106)]

आर अरु 1087.—यत, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 162-पोडायाहाट निर्वाचन-प्रेश से चुनाव लग्ने वाले उम्मीदवार श्री हसन उद्दीन , ग्राम ग्रामनग्रनी, पोठ गोड्डा जिला संपाल परगना, बिहार लोक प्रनिनिधित्व ग्रीधनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रोधित श्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है ,

ग्रीर यग, उक्त उन्मीदकार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर मी, इस ग्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रथका स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रीर निर्याचन ग्रायोग का यह समाधान हा गया है कि उसके पास इस ग्रासफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्वाबीश्वस्य नहीं है,

श्रतः श्रम्भ, जनत श्रिधिनियम की धारा-10-क के श्रनुसरण में निर्धा-श्वम श्रापाग एनद्द्वारा उनत श्री हसन उद्दीन को संसद के किनी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जान श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख में नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन श्रीपक्ष करना है।

[स॰ बिहार- थि॰ स॰ / 162/ 80 (107)]

O.N. 1087.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hassan Uddin, Vill. Asanbani, P.O. Godda, District Santhal Parganas a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May 1980 from 162-Poragahat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satished that he has no good reason or justification for the failure;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good tenson or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hassan Uddin to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/162/80(107)]

भार अरु 1088.— यम निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए बिहार विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 162-बोईशहाट निर्वाचन केत से चुनाव नक्कने बाल उम्मी-दवार श्री नरेश प्रसाद मंडल, प्राम बनियारा, पोर महादेवगढ़, जिला सथाल परगना, बिहार लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए निप्तमो द्वारा अधिक रोति से अपने निर्वाचन व्ययो का लेखा बाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

भीर सतः, उक्त उन्मीवधार न, सम्यक्ष सूचना विण् जाने पर भी, इस अन्नफलना के लिए काई कारण श्रयबा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निविचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिंस्य नहीं है;

ग्रत भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भ्रावीग एतद्शारा उक्त श्री नरेश प्रसाद मंडल की संसर के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के मदस्य चुने जाने ग्रीर हाने के लिए इस श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित ग्रावित करना है।

|स॰ बिहार-वि॰ स॰ | 162/80 (108)

O.N 1088.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Naresh Prasad Mandal, Vill. Baniyara, P. O. Manadeogath District Santhal Parganas a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Poroyahat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure; And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Naresh Prasad Mandal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/162/80(108)]

आ० अ० 1089.—यन, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए सिंदिए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 162-पोड़ेयाहाट निर्वाचन-श्रेव से चुनाय राड़ने वाले उस्मीदवार श्री हेमयांन मांशी, ग्राम व पो० पपई जिल' रासच गर गना बिहार लोक प्रतिनिधित्य मधिनियम, 1951 नथा नव्यांन बनाए भए नियमो दारा प्रयक्षित सभा के बस्दर प्रया गीति से प्रपां निर्वाचन व्ययों का लेखा याखिल करने में ध्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उस्त उम्मीदवार ते, सम्यक सूचना दिए जाते पर भी, इस ग्रमफलमा के लिए काई कारण प्रथवा स्पर्टाकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो। गया है कि उसके पास इस ग्रमफलमा के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषिन्य नही है;

स्रतः स्रवः, उदन अधिनियम की धारा 10-क के सनुसरण में निर्धाचन स्रायोग एतस्हारा उदन त्रा हेमकोत मोझी का संसद के किसी भी सदन के या किसा राज्य का विज्ञान नमा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदश का नारीख से तीन वर्ष को कानावधि के लिए निरहित घरित करता है।

[सं० बिहार- वि० स०/162 / 80 (109)]

O.N. 1089.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hemkant Majht, Vill. & P. O Pasai, Distt. Santhal Parganas a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Poroyahat Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses with in time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And wholeas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hemkant Manjhi to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/162/80(109)]

नर्ष दिल्ली, 21 भूनाई, 1981

आरं अरं 1890.—-पनः, निर्शाचन ग्रापोग का संसाधान हो गया है कि मर्ट, 1980 में हुए विहार विद्यास सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए 83-मधेपुर निर्धाचन-श्रोध से चनाव लक्ष्मे वाले उम्मी-द्वार श्री हदरीस, पो० ग्रालीआन, ग्राम व पोस्ट पर्चेटी, याना माधेपुर, जिला मधूबनी (बिह्न) लोक प्रतिनिधिन्व ग्रापिनियम, 1951 नथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन अपर्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमक्तर रहे हैं.

भौर यत, उपत उम्मीदवार ने, सम्यक सूचन। दिए जाने पर भी इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रामा स्पटीहरण नम् दिया है भौर निर्वाचन ग्रामोग का रुह समाधान हो गरा है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यासौचित्स नहीं है;

श्रन श्रव, उथन श्रविनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्धा-चन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री द्वरीम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य का विधान समा श्रयंका विधान परिषद् के सबस्य चुन जाने श्रोर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[मं० बिहार-वि० म०/ 83/80 (134)]

New Delhi, the 21st July, 1981

O.N. 1090—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Idris. At Alijan, Vill. and P.O. Panchahi. Thana Madhepur. Distt. Madhubani (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May. 1980 from 83-Madhepur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Idris to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/83/80(134)]

आ॰ अ॰ 1091.—यत:, निर्वाचन ग्रायोग का ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विहार बिधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 83-मधेपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्भीदवार श्री जय नाथ सिक्ष, ग्राम बेहट, पोस्ट झझारपुर, ग्रार० एस०, जिला मधुवर्गा (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनयम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमो हारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा बाखिल करने मे रुसफल रहे है:

श्रीर यतः उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना थिए जाने पर श्री इस श्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्वायौजित्य मही है;

श्रत. सब, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्धाचन श्रायोग एतब्धारा उक्त श्री जय नाथ मिश्र को ससद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा ग्रथना विश्वान परिषद के सबस्य भुनं जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की नारीक्ष से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहित गोषिन करता है।

[स॰ बिहार-चि॰ सं०/83/80 (135)]

O.N. 1091.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jay Nath Mishra, Vill. Behat, P.O. Jhanjharpur R.S., Disti. Madhubani (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 83-Madhepur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Floction Commission hereby declares the said Shri Iay Nath Mishra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/83/80(135)]

नई दिल्ली, 6 ग्रगस्त, 1981

आ० ७० 1092.--यन,, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 291---जमणेवपुर पूर्व निर्वाचन-सेल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव-वार श्री ग्रार० एन० पी० सिंह, 16-रो रो रोड, श्रोल्ड बारीडीह (बिहार) लोक प्रतिनिश्चिरव ग्राधिनियम, 1951 नथा नद्धीन बनाए गए नियमो बारा ग्रेपेशिन समय के ग्रन्वर तथा नीति से ग्रंपने निर्वाचन व्ययो का नेखा वाखिन करने में ग्रंसफल रहें हैं;

श्रीर यत. उक्त उम्मीदवार हारा दिए गए प्रथमवेदन पर विचार करने के पश्चास् निर्माचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस अगणत्त्रता के लिए कोई पर्योग्न कारण या त्यायीचित्य नहीं है प्रत, प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायीग एनद्द्वारा श्रो धारे एलं पीं निष्ठ को समद के किसी भी सक्त के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य सुने जाने धौर होने के लिए इस घांबेश की नारीख से नीन वर्ष की सामा-विध ने लिए निर्माहन घोषिस करता है।

[स॰ बिहार वि॰-्म॰/291/80 (172)]

New Delhi, the 6th August, 1981

O.N. 1092.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. L. P. Singh, 16-Rori Road Old Bandih (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 291-Jamshedpur Eust Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. L. P. Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date-of this order.

[No. BR-LA/291/80(172)]

नई दिल्ली, 7 ग्रगस्म, 1981

आ०आ० 1093.— यत;, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मर्ध. 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 210-मनेर निर्वाचन के से भूसाथ लड़ने वाले उम्भीववार श्री मेक्सी सिंह, ग्रीम बिहटा, पौस्ट बिहटा, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यत:, उकत उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रयंवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पाम इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं हैं;

श्रत, श्रव, उक्त श्रिष्टित्यम की श्रारा 10-क के श्रन्मरण में निर्वाचन श्रायोग एतव्हारा उक्त श्री मेदनी सिंह को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्षकी कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[मं० बिहार-वि० म०/210/80 (173)]

New Delhi, the 7th August, 1981

O.N. 1093.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Medni Singh, Vill. and P.O. Bihata, Distt. Patna (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 210-Maner Constituency, has failed to lodge an account of the election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therfore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Medni Singh to be disqualified for being chosen as, and for

being a member of either House of Pailiament of of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/210/80(173)]

_ _ _ . . . - - -

आ० अ० 1094, - पत निर्मायन प्रामीम का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्माचन के लिए 210--मनेर निर्माचन के से मुनाय लक्ष्मे वाले उम्मीदिवार श्री श्रीकान्य गर्मा, ग्राम भगवतीपुर पोस्ट नऊरा, थाना दानापुर, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्गीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्माचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में समफल एहे हैं:

ग्रीर यतः 'उक्त उम्मीदवार ने सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, इस सफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पटीकरण नहीं दिया है भीर निर्याचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पान असफलता में लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

यत, श्रव, उन्न अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन आयोग एनव्द्वारा उक्त श्री श्रीकान्त गर्मा की समय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषय के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत बोधिन करना है।

सिं० बिहार-वि० स०/210/80 (174)

O.N. 1094.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shrikant Sharma, Vill. Bhagwatipur, Post Neora, P.S. Danapur, Distt. Patna (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 210-Maner Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Acr. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shrikant Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either Honse of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/210/80(174)]

का० का० 1095.—यतः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 210-मनेर निर्वाचन के के लिए 210-मनेर निर्वाचन के के चृताव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिवघर प्रमाद सिंह, ग्राम मोहनपुर, पोस्ट मक्षेर, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1981 नया नवधीन बनाए गए नियमों हाग अपेक्षित समय के अन्वर लया रीति में प्रपन्ने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं,

भीर, यम. उसन उभ्मीदवार द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्धाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ध्रसपालना के लिए, कोई पर्याप्त भारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रद्ध, उक्त श्रिष्टिनियम की धारा 10-के के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्वारा श्री णिवधर प्रभाव गिहं को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयंग विधान परिपष्ट के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस श्रादेण की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहेंत घोषित करता है।

[सं० **बिहार-बि०** स०/210/80(175)]

O.N. 1095.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shivdhar Pd. Singh Vill. Mohanpur, Post Maner, Distt. Patna (Bihar) a contesting candidate for genera election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 210-Maner Constituency, has failed to lodg: an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shivdhar Pd. Singh to be disqualified for being chosen and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/210/80(175)]

आर अर 1096 — यतः निर्याचन ध्रायोग का ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 241-गोट निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बिजय मंकर मिश्रा, ग्राम तथा पोस्ट उसास, थाना कोंच, गया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा अपेक्षित ग्रामे निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रौर यत', उक्न उम्मीदक्षार नं, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिवियम की घारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाधन श्रामोग एतव्दारा उक्त श्री विजय शंकर मिश्रा की ससद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा भयवा विद्यान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष को काक्षाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰/241/80 (176)]

O.N. 1096.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vijoy Shankar Mishra, Vill and P.O. Usas, P.S. Kouch, Distt. Gaya (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 241-Goh Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vijoy Shankar Mishra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No BR-LA/241/80(176)]

आ० अ० 1097 — यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 241-गोह निर्वाचन केन्न से चुनाव नड़ने वाले उम्मीवनार श्री राम सून्वर सिंह, श्राम भलवंडी. पो० श्रंवारी धाना गोह, श्रोरंगाश्राध (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व प्रश्लिमियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमकव रहे हैं;

शौर यतः, उक्त उम्मीदवार ते, सभ्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पर्धाकरण नही दिया है भौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्यादन कारण प्रान्थायौचित्य नहीं है।

धन. ध्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रान्मरण में निर्वाचन आयोग एनव्हारा उक्त. श्री राम सुन्दर सिंह की संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयता विधान परिषद् के सदस्य चृने जाने भीर होने के लिये इस आदेश की तारंख संतीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषिन करता है।

[स॰ बिहार-वि॰म॰/241/80(177)]

O.N. 1097.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Sunder Singh, Vill. Bhalawandi, P.O. Avanri, P.S. Goh, Distt. Aurangabad (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembnly held in May, 1980 from 241-Goh Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is saisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declare, the said Shri Ram Sunder Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/241/80(177)]

आ० थ० 1098:—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान समा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 241-गोह निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवयार श्री जनन मिस्त्री, मो०पो० डड़वो, याना गोह, जिला श्रीरंगाबाद (बिहार) लोक प्रतिनिक्षित्व श्रधिनियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमो हारा ग्रपेक्षित समय के मन्दर तथा रीति से भ्रपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने में भ्रसक्त रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर विविचन आयोग का यह समाधात हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उकतं श्रिधितयम की बारा 10-क के श्रनुमरण में निव्यक्षितः श्रायोग एतद्द्वारा उकतं श्री जतन मिन्त्री को समय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अथवा विश्वान परिषद् के सदस्य खुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविश्व के लिए निर्दाहित धोषिन करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/241/80 (178)]

O.N. 1098.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jatan Mishtry, Vill. and P.O. Darwan P.S. Goh, Distt. Aurangabad (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 241-Goh Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfled that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jalan Mishtry to be disqualified for being chosen as, and

for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/241/80(178)]

मई दिल्ली, 10 ग्रगस्त, 1981

आं आ 1099 - यतः, निर्वाचन धायोग का ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 289-पोटका (घ्र० ज० जा०) निर्याचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री शालखन सुर्मृ, गांव नथा पोस्ट करने डीह, जमशेदगुर जिला सिंह भूम (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व धार्धनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा धार्थक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में धारफन रहे हैं,

धौर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस प्रमफलता के लिए कोई कारण धथवा स्पष्टीकरण नही विया है धौर निर्वाचन धायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस धासफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्वायौचित्य नही है,

मतः सब, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्वारा उक्त श्री शालखन मुर्मू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथता विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की नारीख में तीन वर्ष की कालाबिध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

> [सं० बिहार वि० सं० /289/80 (179)] भावेश मे.

> > सतीश चन्द जैन, भवर सचिव भारत निर्वाचन भायोग

New Delhi, the 10th August, 1981

O.N. 1099.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shalkhan Murmu, Vill. and P.O. Karandih, Jamshedpur, Distt Singhbhum (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 289-Potka (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, (1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the soid Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shalkhan Murmu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(No. BR-I.A/289/80(179)]

By Order,

SATISH CHANDER JAIN, Under Secy.

Election Commission of India

मादेश

नर्ष विल्ली, 20 जुम्मार्घ, 1981

आंव्रिक 1100---यन', निर्वाचन म्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 130 ग्रारंग (ग्रव गाव) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नारायण प्रसाद टन्डन, ग्राम देववा, पोस्ट ग्राफिस लखोली जिला रायपुर (मध्य ग्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों हारा ग्रदेशिन रीति से अपने निर्वाचन व्यप्नो का लेखा दांखिल करने से ग्रस्तन रहें हैं.

और यंत', उक्त इस्मीवंबार नै, सस्यक मूचना दिए जामें पर भी इस भ्रमफनता के लिए कोई कारण भ्रथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है 644 GI/81—2 घौर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भन-फलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

प्रतः ध्रव, उक्त ध्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्वाचन ध्रायोग एतदुद्वारा उक्त श्री नारायण प्रसाद टन्डन को संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिवद के सदस्य चुने जाने प्रौर होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्हिन घोषित करता है।

[मं० म०प्र० वि० सं०/130/80(161)]

THE RESERVE THE PARTY OF THE PA

ORDERS

New Delhi, the 20th July, 1931

O.N. 1100.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narayan Prasad Tandon, Village Devda, Post Lakholi, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1981 from 130-Aiang (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Narayan Prasad Tandon to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/130/80(161)]

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1981

आ का अ 1101—यत;, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 32 वावर निर्वाचन -क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भ्रष्णा राव, 20 1/15, नटलवाला टैरेस, गोखले रोड, बम्बई-28 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमो द्वारा ग्रंपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्यययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में समफल रहे हैं;

ग्रीर यत, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस श्रमफलना के लिए कोई कोरण श्रथवा स्पटीकरण नहीं विया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है;

ग्रनः, ध्रव, उक्न भिधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन भायोग एनद्धारा उक्त श्री भ्रष्पा राव को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहन धोषिन करता है।

[स० महा-वि० सं०/32/80 (141)]

New Delhi, the 23rd July, 1981

O.N. 1101.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Appa Rao, 204/15, Natalwala Tarrace, Gokhalo Road, Bombay-28 (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 32-Dadar Constituency. has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the fadule and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Appa Rao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-L $\Lambda/32/80(141)$]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1931

आंव्छाव 1102 — यत, निर्वाचन प्रायोग का पमाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 42-गोरेगांव निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्म्मीदवार श्री अजीत कुमार अंतवराव माने, सिक्षारण नगर, पार्ट-III, 2/35, एसव बीव रोड़, बम्बई-62 (महाराष्ट्र) शोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नम्झा बनाए गए नियमों द्वारा श्रोक्षत अपने निर्वाचन व्यययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमकल रहे हैं;

भीर यतः, उनत उम्मीदनार ने, सम्यक सूनना दिए जाने पर भी इस असफलना के लिए कोई कारण ध्यक्षा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का सभाधान हो गया है कि उसके पास इस असफल्ला के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायौक्षिय नहीं है;

भतः थव, उक्त भधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भाषोग एतद्द्वारा उक्त श्रो भजीत कुमार ध्रनंदराव माने को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ध्रौर होने के लिए इस भादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहिक घोषित करता है।

[सं० महा-वि०स०/42/80 (142)]

New Delhi, the 24th July, 1981

O.N. 1102.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ajit Kumar Anandrao Mane, Siddharth Nagar, Part-III, 2/35, S. V. Road, Bombay-62, (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 42-Goregaon Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ajit Kumar Anandrao Mane to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/42/80(142)]

आ० आ०1103.— यनः, निर्वाचन श्रायौग का समाधान हो गया है हैं कि मई, 1981 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 42-गोरेगांव निर्वाचन क्षेत्र से भृनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बी० के ० गोयल, न्यू वोहरा हाऊम, दूसरी मंजिल गोरेगांव (पिच्चम), बम्बई-62 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधित्यम, 1951 तथा सत्थीन यनाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षत श्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में समफल रहे हैं;

ग्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पष्टीकरण मट्टी विया है ग्रौर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उगके पास इस ग्रमफलता के के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं हैं; धनः ध्रमः, उभन प्रधिनियमं की धारा 10 क के धनुसरण में निर्याचन धायोग एतव्तारा उक्त श्री बी० फं० गायल का समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान भभा श्रमवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने धौर हाने के लिए इस धादेश की मारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत धोषित करता है।

[स॰ महा-वि॰स॰/4::/80(143)]

O.N. 1103.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri B. K. Goyal, New Vhora House, 2nd Floor, Goregaon (West), Bombay-62 (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 42-Goregaon Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the raid Act, the Election Commission hereby declares the said Shri B. K. Goyal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/42/80(143)]

श्रीर यत:, उक्त उ≖मीववार ने, सम्यक भूचना दिए जाने पर भी इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण मही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

भतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुगरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्वारा उक्त श्री भ्रगिक्द जैन को संभद्र के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषिन करता है

[स० म० प्र० वि० सं०/35/80 (167)]

O.N. 1104.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Arvind Jain, 157, Mohan Nagar Sagar (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 35-Bina constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Arvind Jain to be disqualified for being chosen as, and or being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/35/80(167)]

आर अर 1105.— यतः, निर्वाधन प्रायोग का ममाधान हो गया हे कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाधन के लिए 35-शीला निर्वाधन केत से खुनाव लड़ने बार उम्मीदवार थी लक्षमण प्रमाद गग्, गाधी बार्ड, अजरिया, बीना, (भध्य प्रदेश) भाक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 नथा तब्धीन बना, गए नियमों हाग प्रदेक्षिय प्रपते निर्वाधन ब्ययों का कीई भी लेखा दाखिल करने में धनफल रहे हैं,

श्रीर यतः, उक्ष्म उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अमकलता के लिए कोई कारण शयता स्पन्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन स्नामांग का यह सपाधान हा गया है कि उनके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नहीं है;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रिशियम की धारा 10-क के श्रनुरारण में निर्वाचन श्रामीन एप्यारण उक्त श्री लक्षमण प्रमाव गगू की संमद के किमी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिष्य के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीण स तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दाहन घोषित करता है।

[रा० म० प्र० वि० स 35/80 (168)]

O.F. 1105.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Laxman Prasad Gangu, Gandhi ward, Bajriya, Bma (MP) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from the 35-Bina constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laxman Prasad Gangu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|35|80|(168)]

आ ज अ 1106.— यतः निर्वाचन आमीग का समाधान हो गय। है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश निधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 35-वीना निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती हरलाल देवी, बुखान पोस्ट बमारी तहसीन खुरई (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 नथा सब्धीन बनाए गए नियमों बारा प्रपेक्षित प्रपं निवचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, राम्यक सूचना दिए जाने पर भी. इस मसफतना के लिए कोई कारण अथवा स्पन्टीकरण नहीं दिना है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान ही गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोखित्य नहीं है;

धतः धव, उनतं शिधितियमं की धारा 10-कं के भनुसरण में निर्वाचन आसीग एनद्द्वारा उक्त श्रीमती हरताल देवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से मीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्हित शोषिम करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/35/80 (169)]

O.N. 1106.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Harlaldevi, Bukhara, Post Basani, Tehsil Khurai, (MP) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May,

1980 from 35-Bina constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereig the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good terson or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Harlul Devi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|35|80(169)]

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1981

शाव्याव निर्माण निर्माण का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राष्ट्रय प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्माणन के लिए 42-वेयरी निर्माणन भेल से जुनाव गड़ने वाले उस्मीदवार श्री अशोक कुमार प्रेमनारायण बुवे, चकराषाच बार्ड, सागर, जिला सागर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नद्शीन बनाए गए नियमों हारा अपेक्षिन अपने निर्याणन करने में अल्ला रहे हैं,

भौर यतः, जन्म उम्मीववार ते, सम्बक् सुचता दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण प्रथता स्पन्धीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाधन शायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीनिस्य नहीं है;

मतः भ्रव, उभर अधिनयम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतत्द्वारा उक्त श्री भ्रशीक कुमार प्रेमानाराण दुवे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान समा भयवा विभान परिवद् के सदरम चुने जाने और होने के लिए इस श्रावेश की तारीख से सीन वर्ष की कालानिध के लिए निरहित घोषित करसा है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/42/80(170)]

New Delhi, the 25th July, 1981

O.N. 1107.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ashok Kumar Prem Narayan Dube, Chakraghat Ward, Sagar District, Sagar (MP) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 42-Deori constituency, has failed to longe an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ashok Kumar Prem Narayan Dube to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Pailiament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA]42[80](170)]

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1981

मिं प्राप्त के सिंदा के सिंद के सिंदा के सिंद के सिंदा क

भीर, यतः, उक्त उम्मीदवार में, सम्मक सूचना दिए जाने पर भी. इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयता स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायायौचित्य नहीं है;

घतः ग्रम, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतवृक्षारा उक्त श्री बड़ेरे नारायण परसराम को ससब के किसी घो सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने घौर होने के लिए इस धावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत धोषित करता है।

(सं० महा-वि०स०/169/80(145)

New Delhi, the 27th July, 1981

O.N. 1108.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Wadhare Narayan Parshram, At & Post Talegaon, Taluka-Hadgaon, District Nanded (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 169-Hadgaon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice; has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Wadhare Narayan Parshram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|169|80(145)]

आ०थं० 1109.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि
मर्ड, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन
के लिए 190-कन्नण निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री
कनहीराम गुरूवयाल, मु० उमबार खेदा, डा० नागातुर, तालुका कन्नड,
जिला भौरंगाबाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिस्य प्रितिनयम, 1951 तथा
तब्धीन बनाए गए नियमो द्वारा भ्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई
भी लेखा वाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं।

भीर यत., उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस मसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भाषोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः मभ, जनत भिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाधन भायोग एतक्द्वारा उभत श्री कनहीराम गुरूदयाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परियद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस अवेश की तारीका से तीन वर्ष की काला-विधि के लिए निर्राहत भोषिक करता है।

(सं० महा-बि॰स॰/190/80(146)

G.N. 1109.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanhiram Gurudayal, At Umbarkheda, Post Nagapur, Taluka Kannad, District Aurangabad (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 190-Kannad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kashiram Gurudayal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|190|80(146)]

आं०अ० 1110. — यत् , निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 190-कश्चड निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री डागड़ श्रावन निवेकर, मु० व डा० दिशोगांव रानगारी, तालुका कश्चड, जिला शौरगाबाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीविन्यम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए निथयो द्वारा श्रीक्षित श्राने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पर्ध्धकरण मही दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

झतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुसरण में निर्विच प्रधायोग एतद्द्वारा उक्त श्री डागङ्क आघन दिवेकर को ससद के किया भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथला विधान परिषद् के सदस्य भूने जाने भीर होने के लिए इस ग्रावेश की सारीख से तीन वर्ष की काला-व्रधि के लिए निर्साहन ध्रीषित करता है।

(स॰ महा-वि॰स॰/190/80(147)

O.N. 1110.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dagdu Shrawan Divekar, At PO. Dengaon Rangari, Taluka Kannad, District Aurangabad (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 190-Kannad Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the kepresentation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whreas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dagdu Shrawan Divekar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either Huuse of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA]190[80(147)]

आ०अ० 1111.—यतः, निर्वाचन शायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र निधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 190-कप्तड मिर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव वड़ने वाले उम्मीदवार श्री निर्देश रूपमिंह नागदकार, मु० व डा० नागद्र, नालुका कन्नड, जिला भौरंगाबाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिन अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा धारिन करने में ग्रमकन रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सुचना विए जाने पर की इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रयंत्रा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया हैं कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौधित्य नहीं है;

अन अन, उनत अधिनियम की धारा 10-क के अनुसाण में निर्वाक्षन आयोग एपश्वारा उनत श्री निरंद्रा क्यमिह नागवकार को संनय के किसी भी मदन के या किसी राज्य का निधान सभा अथवा विधान परिषव् के सदस्य कुने जाने और हान के लिए इस आदेश की तार्गिक संतीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्महत घोषित करना है।

[स॰ महार्-वि॰स॰/190/80(148)]

O.N. 1111.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narendia Rupsingh Nagadkar, At, P.O. Nagad, Taluka Kannad, District Aurangabad (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 190-Kannad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Narendra Rupsingh Nagadkar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Pailiament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA¹190[80(148)]

बांबंब 1112.—यत, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मर्ड, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 192-गंगापुर निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री हरिचन्व मोती सिंह, प्रवेशपुरा, डा॰ व तालुका गंगापुर, जिला धौरंगा-बाद (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धित बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपटे निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असकल रहे हैं,

भीर यतः, उक्त उम्मीवधार ने, सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी इस भ्रमफलता के निए कोई कारण भ्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के निए काई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भत प्रथा, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुक्तरण में निर्वाचन भायोग एतद्हारा उक्त श्री हरिचन्त्र मोती सिंह को ससद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस श्रावेश की तारीखा से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्हित धोषित करता है।

[स॰ महा-वि॰स॰/192/80(149)]

O.N. 1112.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Harichand Motising, R o Pardeshpura, Post Taluka Gangapur, District Aurangabad (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 192-Gangapur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Harichand Motising to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-I A|192|80(149)1

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1981

भावन 1113 - यत, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए के लिए 162-केलापुर (ग्रव्वाव) निर्वाचन केन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुर्जे (गुक्जी) हरिभाऊ रामाजी मु० बाव उमारमासरा, तालुका और जिला यवसमल (महाराष्ट्र) लाक प्रनिनिधिस्व अधिनियम, 1951 तथा तद्शीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन स्थयों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यन सूचना विए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण भयवा स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचिस्य नही है;

ब्रतः प्रथ, उक्त बिधिनियम की बारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन धायोग एतद्द्वारा उक्त श्री मुर्खें (गुक्जी) हरिभाऊ रामाजी को संसर्थ के किसी भी सदन के या जिसी राज्य की विधान सभा धथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने घीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्रोहत घोषित करता है।

[स॰ महा-वि॰स॰/162/80(150)]

New Delhi, the 28th July, 1981

O.N. 1113.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Murkhe (Guruji) Haribhau Ramaji, At Post Umarsara, Tq and District Yavatmal (Manarashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 162-Kelapur (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Murkhe (Guruji) Haribhau Ramaji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[MT-LA|162|80(150)]

आं अत 1114.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 135-कासडोल निर्वाचन-सेत्र से चुनाव लड़ने काले उम्मीववार श्री रामनाथ योगी, मु० केलाशगढ़ पो० लक्षमण पुर, तहसील बलोदाबाजार, जिना रामपुर (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधिस्व ग्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस झसफलता के लिए कोई कारण झयवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस झसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकिस्य नहीं है,

भत ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की घारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतव्हारा उक्त श्री रामनाथ योगी को संसद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रयवा विधान परिणद् के मदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की फालाबिध के लिए निर्मेहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/135/80(173)]

O.N. 1114.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramnath Yogi, Village Kailashgarh, Post Office Lakshmanpur, Tehsil Balodabazar, District Raipur, (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 135-Kasdol Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramnath Yogl to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|135|80(173)]

भारतं 1115——यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 51-चानदण निर्वाचनक्षेत्र में जुनाव लड़ने वाले उम्मोदयार श्री गुलाब चन्द्र, ग्राम व पास्ट बन्धला, जिला छन्यपुर (भध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिविधम, 1951 ध्या नव्धां व बनाए गए नियमों द्वारा अभिक्षत छपने निर्वाचन व्ययो छ। कोई भी लेखा याखिल करने में प्रसफल रहे हैं.—

भीर यतः, उक्त उम्मीवदार ने, सम्यक सुझना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए काई कारण अथवा स्पट्टे करण नही दिया है भीर निविचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नही है;

करतः क्रव, उक्त क्रिक्षितयम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन भायोग एतद्बारा उक्त श्री नुलाबचन्द को संसद के किसी भी सदन के मा किसी राज्य की विधान सभा अथवा निवान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए का आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालायधि के लिए निरिह्त मंक्षित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/51/80 (172)]

O.N. 1115.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gulab Chand, Village and Post Bandla, District Chhatarpur, Madhya Pradesh, a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 51-Chandla Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice. has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Election Commission hereby declares the said Shri Gulab Chand to be disqualified or being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/51/80(172)]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1981

आं अं 1116 ---यत्:, निर्जाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य अदेश विधान सभा के लिए, साधारण निर्वाचन के लिए, 59-मैहरनिर्वाचन-कोंन्न में भूताव लड़ने वाले उम्मीववार श्री सुरेंग सिंह, बार्ड मं० 10, रीवा रोड, में हर जिला सतना (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधित्यम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो बारा श्रेपेक्षित श्रपने नियाचन व्ययों का काई भी लेखा दाखिए। फरने में असफल रहे है;

श्रीर यतः, उन्त उम्मीदनार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयदा स्वण्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके यास इस श्रसफलता के लिए कोई प्रयन्ति कारण या न्यायोखिस्य नहीं है,

7. Mar.

श्रत श्रव, उसत श्रविनियम की घारा 10क के धनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उसन श्री सुरेंद्र सिंह को समव के किसी भी रदन के या किमी राज्य की विधान सभा घथना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश को नारीख में तॉन वर्ष को आलावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/59/80 (174)]

New Delhi, the 29th July, 1981

O.N. 1116.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Surender Singh, Ward No. 10, Rewa Road. Maihor, Dictrict Satna, Madhya Pradesh, a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 59-Maihar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Surender Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|59|80(174)]

मा अ 1117.— यतः, निर्माचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए भाधारण निर्माचन के लिए 9-विपलन निर्माचन-श्रेष्ठ से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पजानन हामंतराव, महादिक, मी गजान हामंतराव, महादिक, मी गणान हामंतराव, महादिक, मी गणान हामंतराव, महादिक, मी लिए सम्मीदात अपेक्षित हामंत्री का कोई भी लेखा वाखिन करने में असफन रहें हैं;

घौर यतः, उक्त उम्मीवशार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इ,स असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विद्या है घौर निर्या-चन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

भतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्दारा उक्त श्री गजानन एनमतराव महादिक, का संसद के फिसी भी सदन के या फिसी राज्य की विधान सभा अवश विधान परिचय् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेग की न रीख से तीन वर्ष की काजाबधि के लिए मिरहित घोषिन करता है।

[सं॰ महा-वि॰स॰/9/80(151)]

O.N. 1117.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gajavan Hanmantrao Mahadik, C.H. No. 84, Muncipal Maternity House, Municipal Staff Colony, Mahim, Bombay-400016 (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 9-Chiplun Constituency, has failed

to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gajanan Hanmantrao Mahadik to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Jegislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/9/80-(151)]

मह दिल्ली, 31 जुलाई, 1981

आ ० अ० 1118 — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 142- तिन्द्रालवागढ़ (अजंजा) निर्वाचन-केत्र से चुनाव लड़ने वाले उन्मीदवार आं जोगेण्वर सिंह ग्राम मेनपुरकाला, पो मेनपुर खुर्द, सहसील विज्वानवागढ जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य प्रधि, नियम, 1951 तथा नव्यीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ससफल रहे हैं;

घौर यतः, उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथना स्पष्टीकरण नहीं दिया है घौर निर्याचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचिन्य नहीं है;

सतः श्रव, उक्त श्रीविनियम की घारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रीयोग एपध्वारा उक्त श्री जोगेण्यर खिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारिखा से तीन वर्ष की काक्षाविध के लिए निर्हित चोषिन करता है।

[मं० म०प्र०-वि०स०/142/80(178)]

New Delhi, the 31st July, 1981

O.N. 1118.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jogeshwar Singh, Village Manipurkala, Post-Manipurkhund, Tehsil Bindranawagarh, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 142-Bindranawagarh (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1980, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Jogeshwar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|142|80(178)]

आं०आ० 1119.—-यत:, निर्वाचन श्रायीग का समाधान हो गया है कि मर्थ, 1980 में हुए गध्य प्रवेण विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 142-विद्यानभागढ़ (श्रणणा) निर्वाचन केत से च्नाव कहने बाले स्क्यीवयार श्री प्रीती सिंह, धाम वेवमुड़ा, पो०या० उरमाल, सहसील विद्यानशाय, जिला रायपुर (मध्य प्रवेण)

लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा सब्जीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का काई भी लेखा वाखित करने में प्रसफल रहे हैं.

भीर यत;, जन्त उम्मीवदार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस भसफलता के लिए काई कारण श्रयवा स्पन्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलता के तिए कोई प्यन्ति कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

श्रतः श्रवः, उक्त श्रिवित्यम की बाग 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्बारा उक्त श्री श्रीतो सिंह को नंसव के कियी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा श्रयतः विधान परिषद के सरस्य चुने जाने श्रीर होंने के लिए इस श्रादेण की तारीच से सीन वर्ष की कालाविधि के लिए निर्दाहत भोषित करता है।

सिं० म०प्र०-वि०स०/142/80 (179)]

O.N. 1119.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Priti Singh, Village Deomuda, Post Urmal, Tehsil, Bindranawagarh District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 142-Bindranawagarh (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pritisingh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Asembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|142|80(179)]

आ शा 1120.—यतः, निर्माचन मायोग का समामान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए लिए साधारण निर्माचन के लिए 142-बिन्द्रानवागंद्र (ग्रजंजा) निर्वाचन-भेत्र से चुनाव सहमे वाले उम्मीदवार श्री भजनसिंह, ग्राम पोस्ट उरमान, तहसील गरीबाबन्द जिला रायपुर (मध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए ग्रिए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसक्त रहे हैं;

शौर यतः, उक्त उम्मीदयार ने, सम्पक्त मूचना दिए पाने पर भी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं विया है शौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौधित्य नहीं है;

श्रतः भव, उक्त भविनियम की घारा 10-क के भनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भजन सिंह को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य जुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की नारीख में नीन वर्ष की कालायिक्ष के लिए निरहित घोषिन करता है।

[सं० म०प्र०-वि०म० /142/80 (180)]

O.N. 1120.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhajan Singh, Village and Post Urmal, Tehsil Gariaband, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 142-Bindranawagarn (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhajan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/142/80/(180)]

आं अं 1121. — पतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र, विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 46-दांबे निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लक्ष्मे वाले उम्मीदधार श्री खान आयू बेकर मोबिन, 32-4/8 शिवाजी नगर, गोवारडी, बंम्बई 400088 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रवेजित प्राप्ते निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसुफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीयशार ने, सम्पक्ष सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा, स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उस के पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है:

म्रतः भ्रम, उक्त अधिनियम की घारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाबन भायोग एतव्यारा उत्तत श्री खान आबू बेकर मोबिन को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान मन्ना भ्रयता विधान परिवद के सदस्थ, चुने जाने भीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से जीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्साहत घोषित करसा है।

[पं० महा-वि0प 0 / 4 8 / 8 0 (15 2)]

O.N. 1121.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khan Abu Baker Mobin, 33-4/8, Shivaji Nagar, Gowardi, Bombay-400088 (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 46-Trombay contituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khan Abu Baker Mobin to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/46/80(152)]

नई दिल्ली, 1 भगस्त, 1981

आंव्या 122—यतः, निर्वाचन प्रायोग का नमाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रवेण विधान सभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 241 बैरिसया निर्वाचनकेत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवार श्री पदम सिह ग्राम सौनकच्छ, तहसील बैरिसया, जिला भोपाल (मध्य प्रवेण) लोक प्रतिनिधिन्द श्रीधिनियम, 1951 तथा तृद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोधिन अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल फ्रिंस में श्रसक ल रहे हैं;

धौर यतः, उका अध्मीदशर ने, सम्पक्ष सूचना विष्, जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अध्यवा स्पष्टीकरण नहीं विधा है धौर निर्वाचन भाषोग का यह समाक्षान हो। गया है कि उसके पास इस अभफलता के लिए कोई पर्योग्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

शत: श्रव, उक्त अधि¶नियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनढ़द्वारा उक्त श्री पदम सिंह को संगद के किनों भी सदत के या किसो राज्य की विद्यान सभा प्रथवा विश्वान परिषद् के सवस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस प्रादेश को तारीख से तान वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/241/80(175)]

New Delhi, the 1st August, 1981

O.N. 1122.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Padam Singh, Village Sonkatch, Tehsil Barasia, District, Bhopal (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May 1980 from 241-Barasia constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Padam Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MP-LA/241/80(175))

आंव्जाव 1123.—यतः, निर्वा चन प्रायोग का समाधान हो गया है कि
मर्ज, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान समा के लिए माधारण निर्वाचन
241-वैरिसया निर्वाचन-क्षेत्र से खुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बलराम
हरिनारायण, सन्येग्वर ग्राहल मिल, जिला भोपाल, बैरिसिया (मध्य प्रदेश)
लोक प्रनिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्दीन बनाए गए नियमों द्वारा
प्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेख वाखिल करने में श्रमफल
रहे हैं:

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफ्तता के लिए कोई कारण अयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन प्रायोग का यह समाक्षान हो गया कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं है;

धतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुप्तरण में निर्वावन प्रायोग एतदहारा उक्त श्री बलराम हरिनारायण को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रयवा विधान परिषक् के सबस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस प्रादेश की तारीज से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित ग्रीपित करता है।

[म**० म०प्र०-वि०म०**/2**र्व**1/80(176)]

O.N. 1123.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Balram Harinarayan, Sanyasher Oil Mill, District Bhopal (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 241 Barasia constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Balram Harinarayan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[MP-LA/241/80(176)]

मारं०का० 1124.—यत, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है की संदे, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 234-मुधनी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़न वाले जम्मीदवार श्री प्राधारमण दाम भरनवास जी, श्री इच्छापूर्ति हनुमान जी मन्दिर, ग्राम बोरी सलकनपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 नथा न≾शीन बनाए गण नियमो हारा श्रीक्षत प्रपन निर्वाचन ध्ययो का होई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उकत उम्मीद्दार तं, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथा स्पष्टोकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना है तिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौक्तिय नहीं है;

यत श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग प्रतिवार उक्त श्री राधारमण दाम भरतवास जी को संभद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा श्रयवा विद्यान परिषद के सदस्य भूजे जाते श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाधिश के लिए निरहित घोषित करना है!

[मं० म०प्र०-वि०ग/234/80(177)]

O.N. 1124 —Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radharaman Das Bharat Das Ji, Shri Icchapurti Hunuman Ji Mandir, Village Bori, Salkanpui (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 234-Budhni constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Radharaman Das Bharat Das Ji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-I A/234/80(177)]

नई दिल्ली, 6 घ्रगस्त, 1981

आंव्हांव 1125.—यहां, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि
मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन
के लिए 15 वंकानेर निर्वाचन-अंद्र से चुनाव नड़ने वाले उम्मीदवार श्री
रयानी गिरधर पंचा, गुण्डा, पोस्ट कुवाडवा, तालुका राजकोट, गुजरात
लोक प्रिमितिशिंख प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा
प्रशेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल
रहें हैं;

श्रीर यत:, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचन। दिए जाने पर भी इस असफूलता के लिए कोई कारण अथवा स्पन्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन आयोग का ममाधान हो गया है कि उसके पाम इस क्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीनित्य नहीं है;

क्रतः ग्राब, उन्न प्रधिनियम की द्वारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन सायोग एतदहारा उन्त श्री रयानी गिरद्यर पंचा की संसद के किसी भी सबस के या किसी राज्य की ब्रियान सभा ग्रायवा विद्यान परिवद के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की लारीख से तीन वर्ष की काल। कांग्रि के लिए निर्मात घोषित करता है।

[सं० गु०-वि०स०/15/80/67]

New Delhi, the 6th August, 1981

O.N. 1125.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raiyani Girdhar Pancha, Gunda, Post Kuvadava, Taluka Rajkot, District Rajkot (Gujarat), a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 15-Wankaner Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raiyani Girdhar Pancha to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/15/80(67)]

नई दिल्ली, 7 श्रयस्त, 1981

आ ब्या 1126.—यनः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है लि मर्ड. 1980 में हुए मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 78-सिंगरोली निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती गनपती, ग्राम सिंगाही, पो० योधवाली, जिला सीधी (मध्य प्रवेश) लाक प्रतिनिधित्त प्रधिनियम, 1951 तथा तदधीन चनाए कए नियमों द्वारा अपेकित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उकत उम्मीदनार ने, सम्यक सूचन। तिए जाने पर भी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथना स्पब्टीकरण नहीं दिया हैं और निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्योग्त कारण या न्याय। चित्य मही है;

ग्रतः ग्राव, उक्त प्रधिनियम की घारा 10-क के अन्मरण मे निर्वाचन भायोग एसदद्वारा उक्त श्रीमती गनपती को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा अयवा विद्यान परिषद के सदस्य चृने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख ने तान वर्ष की कालाविध के लिए निरहित बोधित करना है।

सिं० म० प्रo-वि०स०/78/80(187)]

New Delhi, the 7th August, 1981

O.N. 1126.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Genpati, District Sidhi (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 78-Singrauli (SC) constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Genpati to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/78/80(187)]

आ जि 1127—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान समा के लिए साधार्ण निर्वाच के लिए 253-सारगपुर निर्वाधन-अंत्र से जुनाव लहने वाले दम्मीक्सार श्री शिवलाल भागीरथ,पाटक्या, पोस्ट खुजनेर, जिला राजगढ़ (भध्य प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीवित्यम, 1951 तथा नदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफल रहे हैं,

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर भी, इस ग्रासफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजित्य नही है;

मतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एनदहारा उक्त श्री शिवलाल भागीरथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रधंना विधान परिषद के सदस्य चुने जान और होने के लिए इस भावेग की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करता है।

[स॰ म॰प॰-वि॰म॰/253/80(184)]

O.N. 1127.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shivlal Bhagirath, Patkaya, Post Khujner, District—Rajgarh (M.P.), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 253-Sarangpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shivlal Bhagirath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-IA/253/80(184)]

नई विल्ली, 19 ग्रगस्त, 1981

आ अ 1128 — यत , निर्वाचन प्रायोग का ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाड़ विधान सभा के विए साधारण निर्वाचन के लिए 61-जलन्डुरपेटेट (अ० आ०) निर्वाचन-अंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रो एम० कत्वास्वामी, टी० पुडेयुर पो० भी० (वाया) तलूर, टिट्टाकुडी तालुक (तमिलनाडू) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नदा तव्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेशित प्रपत्ने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में धमफल रहे हैं:

भौर, यतः जन्न उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूजना विए जाने पर भी, भपनी इस भ्रमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पत्म इस भसफलना के लिए कोई प्रयोग्न कारण या स्यायौचित्य नहीं है :

मतः मतः, उन्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भागोंच एतवड़ारा उन्त श्री एम॰ कम्डास्वामी को संसव के किसी भी सदन के वा किसी राज्य की विधान सभा अमता विधान परिषद के सबस्य चुने जान और होने के लिए इस बावेग की तारीख से तीन वर्षकी कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है

[सं० त०ना०-वि०म०/61/80(94)]

New Delhi, the 19th August, 1981

O.N. 1128.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. Kandasamy, T. Pudaiyur P.O. (Via) Nallur, Tittakudi Taluk Tamil Nadu a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 an account of his election expenses as required by the Rs

presentation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. Kandasamy to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/61/80(94)]

नई दिल्लो, ३३ म्रास्त १७९१

आ अ 129 — यनः, निर्वाचन झायोग का समाधान हो गया है कि अप्रैल 1981 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए उप निर्वाचन के लिए 111-चिशाला निर्वाचनक्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार क्षीं चिना बपाया सेट्रे (बन्दला. नयनीपल्ली, वेनापलम (पी० आ०), चिराला तालुक, प्रकासम जिला (श्रान्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिन्यम, 1951 तथा नदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिल । श्रीप्त विचाच क्यारों का कोई भी लेखा दाखाल करने में असफल रहे हैं:

भीर, यत', जन्न उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है, और निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीखित्य नहीं है.

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्टिनियम की धारा १०-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री जिना विधान सेट्टीबन्दला को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहत योषित करता है ।

[मं• भा॰प्र॰-वि॰म॰/111/81(उप)(57)]

मादेश से

ध<mark>मंबीर, श्र</mark>त्रर्मचिक भारत निर्वाचन श्रायोग

New Delhi, the 22nd August, 1981

O.N. 1129.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri China Bapayya Setty Bandla, Nayanipalli, Vetapalem (P.O.) Chirala Tq. Prakasam District. Andhra Pradesh a contesting candidate for bye-election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in April, 1981 from 111-Chirala Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri China Bapayya Setty Bandla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/111/8] (Rye) (57)]

By order,

DHARAM VIR, Under Secy.

to the Election Commission of India,

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 भगस्त, 1981

आरुआ 1130 — लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950(1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन श्रायोग, श्रान्ध्र प्रवेश सरकार के परामर्श से श्री विलमुखराम, (श्रवकाश प्राप्त) के स्थान पर श्री एमे भएम राथ, संयुक्त सचिव (चुनाव) मान्ध्र प्रदेश को 31-8-1981 भ्रपगन्ह से भ्रगले भादेशों तक ग्रांध्र प्रदेश राज्य के मुख्य निर्वाचन ग्रिधकारी के रूप में एतदहारा नाम निर्देशित करता है।

[सं• 154/ब्रान्ध्र प्रदेश/81] पादेश से, कें० गणेशन, समिव भारत निर्वाचन आयोग

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th August, 1981

O.N. 1130.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Andhra Pradesh hereby nominates Shri M. Appa Rao, Joint Secretary to the Government of Andhra Pradesh (Elections) as the Chief Electoral Officer for the State of Andhra Pradesh with effect from the 31st July, 1981 (AN) and until further orders vice Shri Dilsukh Ram, I.A.S. retired from service.

[No. 154/AP/81]

By order,

K. GANESAN, Secy.

Election Commission of India.